

भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 6006
01.04.2026 को उत्तर देने के लिए

'इंस्पायर' योजना के घटक

6006. श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोर:

श्री आलोक शर्मा:

क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) विगत तीन वर्षों के दौरान इंस्पायर योजना के विभिन्न घटकों के अंतर्गत सहायता प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या का ब्यौरा क्या है तथा भोपाल और दाहोद लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के कितने छात्र इसमें शामिल हैं;
- (ख) क्या सरकार ने इंस्पायर मानक स्टैंडर्ड जैसी पहलों के माध्यम से स्कूली छात्रों के बीच नवाचार और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम का विस्तार किया है;
- (ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (घ) मध्य प्रदेश और भोपाल सहित देश भर में उक्त योजनाओं के अंतर्गत अब तक शामिल किए गए विद्यालयों और जिलों की जिला-वार संख्या का ब्यौरा क्या है; और
- (ङ) वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रमों में ग्रामीण क्षेत्रों और कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों के छात्रों की भागीदारी बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

**विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)**

(क) अभिप्रेरित अनुसंधान के लिए विज्ञान खोज में नवाचार (इंस्पायर) योजना विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार की एक राष्ट्रीय पहल है जिसका उद्देश्य प्रतिभाशाली युवाओं को मूलभूत और प्राकृतिक विज्ञानों का अध्ययन करने तथा इंजीनियरिंग, चिकित्सा, कृषि, और पशु चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान करियर अपनाने के लिए आकर्षित करना है, जिससे देश के अनुसंधान और विकास आधार को सुदृढ़ किया जा सके। यह योजना विभिन्न शैक्षिक चरणों में कई घटकों के माध्यम से संचालित होती है। इंस्पायर-मानक (मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेशन एंड नॉलेज) कक्षा VI-XII में अध्ययनरत 10-17 वर्ष की आयु के छात्रों को लक्षित करती है, जिसमें नवीन विचारों और वैज्ञानिक जिज्ञासा को प्रोत्साहित किया जाता है; स्कूल ई-एमआईएस पोर्टल के माध्यम से प्रतिवर्ष अधिकतम पाँच छात्रों को नामित कर सकते हैं, और चयनित छात्रों को उनके प्रोजेक्ट्स को विकसित करने तथा जिला, राज्य, और राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में

प्रस्तुत करने के लिए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से 10,000 रुपये प्राप्त होते हैं। उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति (शी) 17-22 वर्ष की आयु के प्रतिभाशाली छात्रों को प्रति वर्ष 80,000 रुपये की 12,000 छात्रवृत्तियां प्रदान करके मूलभूत और प्राकृतिक विज्ञान में स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करने के साथ-साथ मार्गदर्शन के अवसर भी प्रदान करती है। अनुसंधान स्तर पर, इंस्पायर अध्येतावृत्ति मेधावी छात्रों को पीएचडी कार्यक्रमों के लिए अधिकतम पाँच वर्षों तक सीएसआईआर-यूजीसी नेट के समकक्ष अध्येतावृत्ति (जेआरएफ के रूप में 37,000 रुपये और एसआरएफ के रूप में 42,000 रुपये प्रति माह तथा एचआरए और 20,000 रुपये प्रति वर्ष का आकस्मिक अनुदान) सहायता प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, इंस्पायर संकाय अध्येतावृत्ति 27-32 वर्ष की आयु के प्रारंभिक करियर वाले पोस्ट-डॉक्टरल शोधकर्ताओं को मूलभूत और अनुप्रयुक्त विज्ञानों में स्वतंत्र अनुसंधान करियर बनाने के लिए 1,25,000 रुपये प्रति माह, वार्षिक वेतन वृद्धि और 35 लाख रुपये के अनुसंधान अनुदान के साथ पांच वर्षीय अध्येतावृत्ति प्रदान करती है। समग्र रूप से, ये घटक स्कूली स्तर से लेकर उन्नत अनुसंधान तक वैज्ञानिक प्रतिभा तैयार करने के लिए एक सतत श्रृंखला का सृजन करते हैं। विगत तीन वर्षों के दौरान इंस्पायर योजना के विभिन्न घटकों के अंतर्गत सहायता प्राप्त विद्यार्थियों की संख्या का विवरण निम्नानुसार है:

इंस्पायर घटक	सहायता प्राप्त विद्यार्थियों की संख्या		
	वर्ष 2023-24	वर्ष 2024-25	वर्ष 2025-26
इंस्पायर-मानक	46926	50009	49805
इंस्पायर शी	7976	9494	9046
इंस्पायर अध्येतावृत्ति	796	305	923
इंस्पायर संकाय अध्येतावृत्ति	100	58	171

विगत तीन वर्षों के दौरान, कुल लाभार्थियों में से 224 इंस्पायर-मानक, 35 इंस्पायर-शी, 88 इंस्पायर अध्येतावृत्ति और 11 इंस्पायर संकाय अध्येतावृत्ति लाभार्थी भोपाल से हैं, जबकि 146 इंस्पायर-मानक और 1 इंस्पायर-शी लाभार्थी दाहोद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से हैं।

(ख) और (ग): मंत्रालय ने इंस्पायर-मानक जैसी पहलों के माध्यम से स्कूली छात्रों के बीच नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों का विस्तार किया है। यह कार्यक्रम कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों को लक्षित करता है और उन्हें मौलिक और रचनात्मक विचार प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करता है। चयनित छात्रों को अपने विचारों के प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए 10,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना का विस्तार देश भर के अधिक से अधिक विद्यालयों को शामिल करने के लिए किया गया है, जिसमें ग्रामीण और सरकारी संस्थानों पर विशेष ध्यान दिया गया है ताकि व्यापक स्तर पर इसकी पहुंच सुनिश्चित हो सके। यह एक सुव्यवस्थित मंच प्रदान करता है जहाँ छात्र जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपने विचारों को प्रदर्शित कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, छात्रों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और समस्या-समाधान क्षमताओं को विकसित करने में सहायता के लिए पूरी प्रक्रिया के दौरान मार्गदर्शन सहायता भी प्रदान की जाती है।

(घ) इस योजना के अंतर्गत देश भर के शामिल विद्यालयों और जिलों की संख्या का विवरण, जिसमें मध्य प्रदेश और भोपाल जिले के जिलावार आंकड़े शामिल हैं, नीचे दिया गया है:

वित्तीय वर्ष	भाग लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या	भाग लेने वाले विद्यालयों की संख्या	शामिल किए गए जिलों की संख्या
2023-24	854553	224283	719
2024-25	1013229	253459	723
2025-26	1147343	274528	729

विगत तीन वर्षों के दौरान मध्य प्रदेश में इस योजना के अंतर्गत शामिल विद्यार्थियों, विद्यालयों और जिलों की संख्या का विवरण नीचे दिया गया है:

जिला	भाग लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या	भाग लेने वाले विद्यालयों की संख्या
आगर मालवा	881	269
अलीराजपुर	1007	249
अनुपपुर	1212	408
अशोकनगर	2495	903
बालाघाट	4446	1188
बड़वानी	709	241
बेतुल	5321	1373
भिंड	970	300
भोपाल	3175	880
बुरहानपुर	827	285
छतरपुर	3162	826
छिंदवाड़ा	12245	2982
दमोह	4395	1263
दतिया	1649	490
देवास	2859	906
धार	5536	1446
डिंडोरी	1198	334
गुना	2159	729
ग्वालियर	2245	634
हरदा	1267	402
होशंगाबाद	4182	1274
इंदौर	2853	870
जबलपुर	3673	1071

जिला	भाग लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या	भाग लेने वाले विद्यालयों की संख्या
झाबुआ	264	72
कटनी	2125	567
खंडवा (पूर्वी निमाड़)	3187	833
खरगोन	1229	359
मैहर	42	9
मंडला	781	275
मन्दसौर	1458	401
मुरैना	1628	451
नरसिंहपुर	2948	870
नीमच	3290	814
निवाड़ी	1584	371
पंधुरना	22	5
पन्ना	2987	970
रायसेन	2342	719
राजगढ़	1282	463
रतलाम	13170	3001
रीवा	2840	873
सागर	3682	967
सतना	15077	3262
सीहोर	2748	894
सिवनी	4058	1278
शाहडोल	923	288
शाजापुर	2280	643
श्यामपुर	933	295
शिवपुरी	2632	659
सीधी	1953	594
सिंगरौली	3802	1024
टीकमगढ़	2430	610
उज्जैन	3436	1235
उमरिया	2282	732
विदिशा	2593	925
नर्मदापुरम	5	1

(ड) मंत्रालय ने इंस्पायर-मानक जैसे वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रमों में ग्रामीण क्षेत्रों और अल्प प्रतिनिधित्व वाले समूहों के छात्रों की भागीदारी बढ़ाने के लिए कई लक्षित उपाय लागू किए हैं। जागरूकता बढ़ाने के लिए, राज्य और जिला नोडल अधिकारियों के साथ नियमित रूप से जागरूकता बैठकें आयोजित की जाती हैं, साथ ही स्कूलों को जागरूक करने और उन्हें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती हैं। दूरदराज के क्षेत्रों में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने के लिए वीडियो, पोस्टर, सोशल मीडिया और ईमेल संचार का उपयोग करते हुए एक व्यापक मल्टीमीडिया अभियान भी शुरू किया गया है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप भागीदारी में लगातार वृद्धि हुई है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई है। जागरूकता अभियान के अलावा, मंत्रालय ने चयनित छात्रों के लिए सहायता तंत्र को भी मजबूत किया है। चयनित प्रत्येक छात्र को अपने विचार का प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए 10,000 रुपये मिलते हैं। उन्हें अटल टिकरिंग लैब्स (एटीएल) के माध्यम से मार्गदर्शन और तकनीकी सहायता भी प्रदान की जाती है। छात्रों की प्रगति को जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की संरचित प्रतियोगिताओं के माध्यम से सुनिश्चित किया जाता है, जिससे उनकी निरंतर भागीदारी और अनुभव प्राप्त होता रहे। इसके अलावा, उन्नत चरणों पर चयनित छात्रों के लिए आईआईटी और एनआईटी जैसे प्रमुख संस्थानों के सहयोग से मार्गदर्शन कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। राज्य स्तरीय विजेताओं को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुति के लिए अपने प्रोटोटाइप को परिष्कृत करने हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। राष्ट्रीय स्तर पर, छात्रों को पेटेंट दाखिल करने में सहायता और तकनीकी मार्गदर्शन सहित इनक्यूबेशन सुविधाओं के माध्यम से सहायता दी जाती है, जिससे वे अपने विचारों को बड़े पैमाने पर लागू करने योग्य और सामाजिक रूप से प्रासंगिक नवाचारों में परिवर्तित कर सकें।
